Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 20–2025] CHANDIGARH, TUESDAY, MAY 20, 2025 (VAISAKHA 30, 1947 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 15 मई, 2025

संख्या 12/249– 2021/पुरा/2293–2302.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन और ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणाा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
सोहना का किला 1700–1857 ई0, 18 शताब्दी पूर्व	सोहना का किला 1700–1857 ई0, 18 शताब्दी पूर्व	सोहना	गुरूग्राम	खतौनी संख्या 1707, 1728 किला संख्या 20, 6, 7, 14, 15, 16	6–11 8–0 8–0 8–0 8–0 8–0 ———— 46–11	हरियाणा सरकार (अभिरक्षक पर्यटन विभाग हरियाणा)	सोहना शहर का नाम सोने की धूल (सोना) से पड़ा है, जो भारी बारिश के बाद पड़ोसी नदियों के तल में पाई जाती थी। शहर पर उत्तराधिकार में तीन जातियों का कब्जा था, अर्थात् कम्भोस, कंजादास और राजपूत। प्रत्येक शासक ने

							अपनी रक्षा और सुरक्षा के लिए तैयारी की। इसलिए कई राजाओं ने किले के रूप में कुछ इमारतें बनवाईं। आइन–ए–अकबरी के अनुसार, अकबर के शासनकाल में पहाड़ियों पर एक किला था। एक अन्य किला (गढ़ी), संभवतः कम्मोस सरदारों द्वारा, शहर के पश्चिम में नागली रोड पर बनाया गया था, जहाँ चौड़ी पत्थर की दीवारों के संकेत मौजूद हैं और एक घेरने वाली दीवार काफी हद तक दिखाई देती है। भरतपुर किंग्स ने भी पहाड़ियों के ऊपर एक किला बनवाया, जिन्होंने कई वर्षों तक सोहना पर शासन किया। लेकिन भरतपुर के राजा किले का निर्माण पूरा नहीं कर सके। इस क्षेत्र पर जाट राजा के शासन की स्मृति में इसके अपूर्ण अवशेष अब विद्यमान है। इस प्रकार मध्यकाल में हरियाणा में किलेबंदी के लिए पत्थर सबसे महत्वपूर्ण सामग्री थी। हर शासक सुरक्षा और आवासीय उद्देश्य के लिए किले बनवाना चाहता था। हिसार का किला रणनीतिक स्थान पर स्थित है। घग्गर और धिसावती नदियाँ कभी शहर से होकर बहती थीं। इसलिए फिरोज शाह ने यहाँ वही इमारतें बनवाईं। कोटला पहले के समय में खानजादों की राजधानी थी। कोटला का किला पहाड़ियों (अरावली), की चोटी पर स्थित है। बहादुर नाहर ने इस किले का निर्माण रणनीतिक और सुरक्षा उद्देश्य से करवाया था। हांसी के खंडहर किले, हमें कई राजाओं के गौरवशाली अतीत की कहानी भी बताते हैं। मध्यकाल के दौरान सोहना हर शासक के लिए प्रसिद्ध स्थान था। इसलिए कई राजाओं ने अपनी सुरक्षा के लिए किले बनवाए।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 15th May, 2025

No. 12/249-2021/pura/2293-2302.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964) the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be a protected archaeological sites and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Fort of Sohna 1700-1857 CE, 18th Century CE	Fort of Sohna 1700-1857 CE, 18th Century CE	Sohna	Gurugram	Khotni No. 1707, 1728 Kila No. 20, 6, 7, 14, 15, 16	6-11 8-0 8-0 8-0 8-0 --- 46-11	Government of Haryana (Custodian Tourism Department Haryana)	The town of Sohna derived its name from the Gold dust (Sona) which was found in the beds of neighboring streams after heavy rains. The town was occupied by three races in succession, namely the Kambhos, Kanzadas and the Rajputs. Each Ruler made preparedness for his defence and Safety. So some building built by many kings as Fort. According to Ain-i-Akbari, A Fort on Hills was there, in Akbar's Reign. Another Fortress (Garhi), possibly built by Kambhos Chiefs, in the West of town on Nagli Road, where lives the signs of broad stone walls and one of the enclosing walls in visible to a greater extent. Bharatpur Kings also built a Fort on top of the Hills who ruled on Sohana for many years. But Bharatpur Kings could not complete the construction of the fort. Its unfinished remains are now existing on the hills commemoration the rule of Jat King over this area. Thus stone was the most important material for fortification in Haryana during medieval period. Every ruler want to built forts for security and residential purpose. Fort of hisar is situated on strategic location. Ghagger and Dhishavati rivers once flowed through the city.so Firoz shah built same buildings at here.kotla was a capital of khanzadas in earlier period. The fort of kotla is situated on the peak of hills [aravali]. Bahadur Nahar built this fort for strategic and security purpose. Ruin fort of hansi, also tell us story of glorious past of many kings. During Medieval period sohana was famous location for every ruler.so many kings built forts for his safety.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11835—C.S.—H.G.P., Pkl.